

बर्मिंघम में चल रहे 2002 कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के बजरंग पूनिया ने कमाल कर दिया। बजरंग पूनिया ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में कैंडेडा के पहलवान को हराकर गोल्ड मैडल जीता। कॉमनवेल्थ गेम्स में यह उनका लगातार दूसरा गोल्ड मैडल है। उन्होंने फ्रीस्टाइल 65 कि. ग्रा. वर्ग में कैंडेडा के लचलान मैकनिल को 9-2 से हराया। भारत का बर्मिंघम में कुश्ती में यह पहला और कुल छठा गोल्ड मैडल है। पहले हाफ में बजरंग ने चार अंक लिए। फिर दूसरे हाफ में मैकनिल ने दो वाइट लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन बजरंग ने ऐसा नहीं होने दिया। बजरंग ने इससे पहले 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। वहीं 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मैडल अपने नाम किया था।

बैंकिंग ब्याज दरें प्री कोविड स्तर से भी महंगी हो गईं

रिजर्व बैंक ने नीतिगत ब्याज दरों को आधा फीसदी बढ़ाने का फैसला किया

मुंबई, 5 अगस्त (वार्ता)। बढ़ती महंगाई को काबू में करने के लिए रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) ने नीतिगत दरों में आज आधी फीसदी की बढ़ोतरी करने के साथ ही यह अब करीना महामारी के पहले के स्तर को पार कर गयी है। रिजर्व बैंक के आज के इस निर्णय से अब घर, कार और अन्य प्रकार के ऋण महंगे हो जाएंगे। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैठक में लिए

गये निर्णय की जानकारी देते हुये कहा कि देश में वैश्विक कारकों से महंगाई में बढ़ोतरी हो रही है। इस वर्ष जून में लगातार छठे महीने में खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक के लक्ष्य छह प्रतिशत से ऊपर बनी रही है। विकास को गति देने

बाद रेपो दर 4.90 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत बढ़कर 5.40 प्रतिशत पर, सर्टिफिकेट डिपॉजिट फेसिलिटी दर (एस.डी.एफ.) 4.65 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत बढ़कर 5.15 प्रतिशत, बैंक दर 5.15 प्रतिशत से बढ़कर

भारी कमी की थी और यह रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गयी थी। रिजर्व बैंक ने तीन बार बढ़ोतरी कर इसको कोरोना काल के पहले के स्तर के पार पहुंचा दिया है। हालांकि रिजर्व बैंक इसका उपयोग महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कर रहा है।

■ रिजर्व बैंक ने कहा कि, कई ग्लोबल कारकों की वजह से लगातार छः महीने से महंगाई में अनियंत्रित बढ़ोतरी हो रही है, इसे रोकने के लिए यही सबसे सटीक उपाय है।

■ इस बढ़ोतरी के बाद बैंकों के लिए रेपो रेट 4.90 प्रतिशत से बढ़कर 5.40 प्रतिशत हो जायेगी। कोरोना महामारी आने से पहले रेपो रेट 5.15 प्रतिशत ही थी। इससे तय है कि, सभी प्रकार के लोन अब काफी महंगे हो जायेंगे।

तथा महंगाई को काबू में करने के उद्देश्य से नीतिगत दरों में आधी फीसदी की बढ़ोतरी की गयी है। उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलने की उम्मीद है और महंगाई को मध्यवर्धि में छह प्रतिशत के लक्षित दायरे में लाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी के

5.65 प्रतिशत पर तथा मार्जिनल स्टैंडिंग फेसिलिटी (एम.एस.एफ.) 5.65 प्रतिशत पर पहुंच गयी है।

उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के शुरू होने से पहले रेपो दर 5.15 प्रतिशत पर थी। महामारी के दौरान लॉकडाउन से मांग प्रभावित होने के कारण रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों में

‘कांग्रेस ने काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन के लिए 5 अगस्त का दिन ही क्यों चुना’

अमित शाह ने कहा कि, कांग्रेस का यह विरोध असल में रामजन्मभूमि शिलान्यास व जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने का विरोध है

नई दिल्ली, 5 अगस्त। गुहमंत्रि अमित शाह ने देशभर में कांग्रेस के प्रदर्शन का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि आखिर कांग्रेस ने प्रदर्शन के लिए आज का ही दिन क्यों चुना?

उन्होंने कहा कि आखिर प्रदर्शन के लिए काले कपड़े क्यों पहने गए? उन्होंने कहा कि पिछले साल आज के ही दिन प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर मंदिर का शिलान्यास किया था।

आज के दिन तो जश्न मनाया जाना चाहिए था, लेकिन कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राह पर चलते हुए आज के दिन विरोध प्रदर्शन किया। अमित शाह ने कांग्रेस द्वारा आज के दिन काले

कपड़ों में प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अभी तक तो रोज सामान्य कपड़ों में प्रदर्शन

किया गया? उन्होंने कहा कि कांग्रेस सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन उसने राम

■ अमित शाह ने कहा कि, इतनी जगह शिकस्त खाने के बाद भी तुष्टिकरण नहीं छोड़ रही है कांग्रेस उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि इस प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस ने सीक्रेट रूप से हिन्दुत्व के विरोध एवं तुष्टिकरण का अपना एजेन्डा आगे बढ़ाया है।

■ उन्होंने कहा कि कांग्रेस सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन उसने राम मंदिर का विवाद नहीं सुलझाया। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने 500 साल पुराने इस विवाद का पटाक्षेप करते हुए आज के ही दिन अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास किया था।

किया जा रहा था। आज आखिर काले कपड़ों में प्रदर्शन क्यों मंदिर का विवाद नहीं सुलझाया। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने 500

अमेरिकी सिनेटर नैसी पेलोसी के खिलाफ प्रतिबंध लगायेगा चीन

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि, ताइवान की यात्रा कर पेलोसी ने हमारी “वन चाइना” पॉलिसी का उल्लंघन किया है

बीजिंग, 5 अगस्त (वार्ता)। चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा है कि चीन अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैसी पेलोसी और उसके नजदीकी रिश्तेदारों पर ताइवान की उकसाने वाली यात्रा के संबंध में प्रतिबंध लगाएगा।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी अधिकारी पेलोसी ताइवान में शांति और स्थिरता को खतरों में डालकर एक चीन के सिद्धांतों पर गहरी चोट पहुंचाई है। बयान में कहा गया है कि चीन के प्रासंगिक कानून के आधार पर चीन की तरफ से पेलोसी और उनकी नजदीकी रिश्तेदारों पर इस उकसाने वाली कार्रवाई पर प्रतिबंध लगाने की

निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि चीन ने अमेरिका के साथ जलवायु परिवर्तन वार्ता, अवैध अप्रवासियों के प्रत्यावर्तन पर सहयोग, आपराधिक

को चीन की चेतावनियों के बावजूद एशिया दौर पर ताइवा का दौरा किया। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है और उसके साथ किसी भी

■ चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि, चीन ने अमेरिका के साथ जलवायु परिवर्तन वार्ता, अवैध अप्रवासियों के प्रत्यावर्तन पर सहयोग, आपराधिक और कानूनी सहायता तथा अंतरराष्ट्रीय अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई को रोकने का भी फैसला किया है।

और कानूनी सहायता तथा अंतरराष्ट्रीय अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई को रोकने का भी फैसला किया है। पेलोसी ने मंगलवार

प्रत्यक्ष आधिकारिक विदेशी संपर्क का विरोध करता है। पेलोसी 25 वर्षों में ताइवान की यात्रा करने वाली सर्वोच्च रैंकिंग वाली अमेरिकी अधिकारी हैं।

ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने अमेरिका के तीसरी सबसे बड़ी नेता व प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैसी पिलोसी की यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और इसके जवाब में चीन द्वारा शुरु किए गए सैन्य अभ्यास की कड़ी आलोचना की।

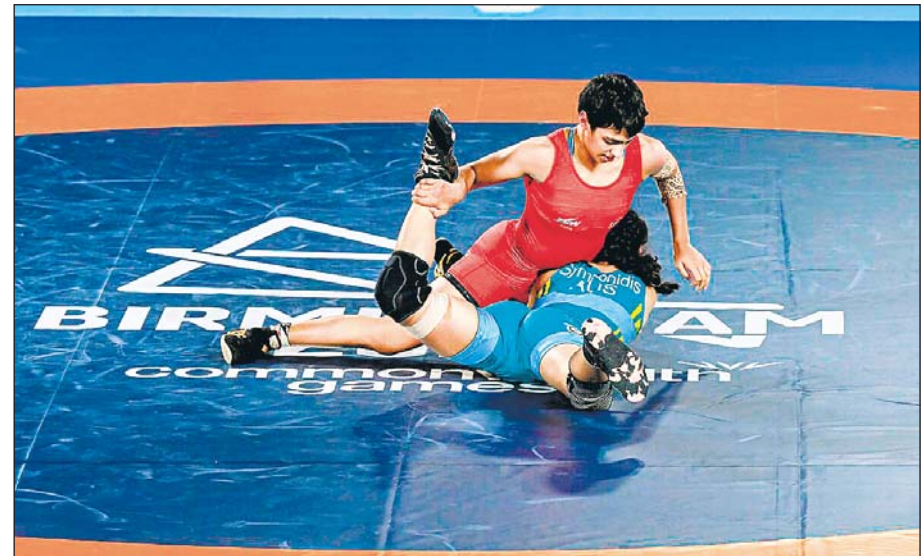
वू बी.बी.सी. से शुक्रवार को बात करते हुए चीन की ओर से की गयी कार्रवाई को बहुत उकसाने वाला तथा एशिया में शांति और स्थिरता लिए बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि ताइवान चीन के सपनों के विस्तार का आखिरी टुकड़ा नहीं है। उनका यह बयान चीन के मिसाइल प्रक्षेपण किये जाने के बाद आया है।

गर्भपात...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) जिनकी बैंच में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला भी शामिल थे, ने कहा, “इस कानून (एम.टी.पी. एक्ट एण्ड रूल्स) की एक प्रगतिशील व्याख्या होनी चाहिए, इस बात को मद्देनजर रखते हुए कि मैडिकल के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है।” जस्टिस ने “इन्ट्रूट ऑफ पॉलिसीमेंट” का जिक्र किया जिसमें कहा गया है कि, “... जब किसी महिला या उसके साथी द्वारा गर्भधारण रोकने के लिए इस्तेमाल किए गए साधन या उपकरण असफल होने के परिणामस्वरूप गर्भधारण हो जाए...”

एम.टी.पी. कानून एवं नियम के तहत जिन दो मुद्दों की जांच की जा रही है वो हैं कि, क्या बीस सप्ताह के गर्भ को खत्म करने के नियम में ढील दी जा सकती है, इस बात को देखते हुए कि मैडिकल के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है, तथा, यह भी कि, वर्तमान कानून के तहत गर्भपात में विवाहित व अविवाहित का जो भेद है उसे खत्म किया जाए।

यह मुद्दा तब उठा जब 21 जुलाई को कोर्ट ने एक 25 वर्षीय महिला की प्रार्थना स्वीकार करते हुए उसे 24 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति दी और दिल्ली स्थित एम्स के डायरेक्टर को इस सम्बंध में एक मैडिकल बोर्ड के गठन का निर्देश दिया यह देखने के लिए कि क्या इस तरह के गर्भपात से उक्त महिला को जान को तो कोई खतरा नहीं है। ज्ञातव्य है कि उक्त महिला लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी।



भारत की पहलवान अंशु मलिक ने भारत को कुश्ती में पहला मैडल दिलाया। फ्रीस्टाइल 57 कि. ग्रा. वर्ग में रजत पदक जीतने वाली अंशु मलिक फाइनल में नाइजीरिया की ओडानायो फोलासाडो से 3-7 से हारी। ओडानायो ने लगातार तीसरी बार स्वर्ण जीता है। वहीं अंशु को पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में कोई पदक मिला है।

‘भाजपा एक दिन देश के तिरंगे को भी बदल देना चाहती है’

श्रीनगर, 5 अगस्त (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को यह कहकर नया विवाद खड़ा दिया कि आने वाले समय में केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी देश के तिरंगे को बदल देगी और संविधान को खत्म कर देगी। महबूबा मुफ्ती जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने जाने के तीन वर्ष के मौके पर कार्यकर्ताओं के साथ विरोध प्रदर्शन करने के बाद यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों की संबोधित कर रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें रैली नहीं निकालने दी। उन्होंने कहा, मैं देश के नागरिकों से कहना चाहती हूँ कि आने वाले दिनों में भाजपा देश के संविधान को खत्म कर देगी।

उन्होंने कहा, वे लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता पर आधारित संविधान को

ममता बनर्जी का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) उनसे विचारविमर्श नहीं किया था। जहां टी.आर.एस. और जे.एम.एम. ने सोनिया और राहुल गांधी को ई.डी. द्वारा तलब किए जाने की मर्त्सना की है, वहीं परिचय बंगाल के स्वयं केन्द्रीय जांच एजेंसियों से गले तक भर जाने के बावजूद टी.एम.सी. ने ई.डी. की आलोचना से दूरी बना रखी है। यह संभव माना जा रहा है कि बनर्जी, आप नेता अरविंद केजरीवाल जैसे विपक्ष के नेताओं से शनिवार को मुलाकात करेंगी, लेकिन सोनिया का राहुल गांधी के साथ उनकी कोई भी मीटिंग तय नहीं है।

■ जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को यह कहकर केन्द्रीय सरकार और भाजपा पर बहुत संगीन आरोप लगाया

■ पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वो उसी तरह से इस मुल्क के संविधान और तिरंगे को बदलेंगे जिस तरह से जम्मू-कश्मीर का संविधान और झण्डा छीना था।

मुख्यमंत्री ने कहा, वे उसी तरह से इस मुल्क के संविधान और तिरंगे को बदलेंगे जिस तरह से जम्मू-कश्मीर का संविधान और झंडा छीना था। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने यह कसम खाई है कि जो उनसे पांच अगस्त 2019 को छीना गया था उसे वापस लेंगे। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमने न केवल अपना झंडा और संविधान वापस लेने का संकल्प लिया है, बल्कि उन्हें कश्मीर मुद्दे को हल करने के लिए मजबूर करने का भी, जिसके लिए लाखों लोगों ने अपने प्राणी की आहुति दी है।

महबूबा ने कहा कि पांच आगस्त न केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए बल्कि पूरे देश के लिए ‘फाला दिन’ था। इससे पहले दिन में, उन्होंने इस बात का खंडन किया कि जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति है। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा के दुर्भावनापूर्ण इरादों का खुलासा हो गया है, दमन और डर का पैटर्न अब देश के बाकी हिस्सों में भी दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। अपनी

‘पालतू एजेंसियों’ को हथियार देना और अस्तोष को दबाने के लिए कड़े कानूनों का इस्तेमाल करना आदर्श बना गया है। उन्होंने कहा, आपकी चुप्पी और मिलीभगत ने भारत सरकार को कहर

बरणे के लिए प्रोत्साहित किया। आज वे भारतीय लोकतंत्र का समर्थन करने वाले हर स्तंभ को तोड़कर उसे कुचल रहे हैं।

भाजपा का जम्मू-कश्मीर का तथाकथित एकीकरण जो कभी नहीं हुआ, हमें भारी कीमत चुकानी पड़ी है। जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है। सामान्य स्थिति का मुखौटा उतना ही सच है जितना ‘सबका साथ, सबका विकास’।

क्या सुनक ... (प्रथम पृष्ठ का शेष) अंत में प्रश्न किया, “क्या कृपया वास्तविक लिज खड़ी होगी?” इससे पहले भी जब सोमवार को एक नुकसानदायक बयान दिया था तब भी ट्वस को यू-टून लेने को बाध्य होना पड़ा था। उनकी टीम ने कहा था कि सरकार यदि निवासस्त सार्वजनिक क्षेत्र के उन कर्मचारियों, जो लंदन के बाहर रहते हैं, को कम वेतन देती तो वह 8.8 बिलियन पाउण्ड (10.75 बिलियन डॉलर) प्रति वर्ष बचा सकती है।

बर्लीन ने नीतियों पर लिए गए उनके यू-ट्विस्स की लिस्ट बताते हुए कहा कि “आप उन क्षेत्रों के सरकारी कर्मचारियों का वेतन कम करना चाहती थीं और फिर आप कहती हैं कि आप ऐसा नहीं चाहती थीं।” ट्वस ने जोर देकर कहा कि मीडिया ने इस प्रस्ताव का गलत अर्थ निकाला।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तुरंत बाद दिए गए ट्वस के बयान को भी बर्लीन ने चुनौती दी। ट्वस ने कहा था कि वे ब्रिटिश लोगों के यूक्रेन के पक्ष में लड़ने की पक्ष धरें हैं। लेकिन ब्रिटिश लड़ाके उसके बाद से बंदी बनाए जाते रहे हैं और उन पर भाड़े के सैनिक होने का आरोप बनाया गया है। इसके अलावा यूक्रेन के अलगाववादी क्षेत्र डोनेट्स्क इन पर मृत्युदण्ड का खतरा मंडरा रहा है। ट्वस ने जोर देकर कहा कि हमेशा से यहां ट्रेवल उडवाइस थी कि ब्रिटिश लोगों को यूक्रेन नहीं जाना चाहिए। सुनक को भी कठोर प्रश्नों का सामना करना पड़ा, जिनमें से एक सवाल डिजाइनर जूतों के शौक से संबंधित था।